Regarding ban on conversion of agricultural land into commercial land-laid

श्री दुर्गा दास उइके **(बैतूल):** मैं यह अवगत कराना चाहता हूँ कि बड़े बड़े महानगरों में प्रत्येक वर्ष 4/5 ग्रामों को ख़त्म कर रहे है, शहरो के निकट ग्रामों में कृषि योग्य भूमि को बड़े बड़े बिल्डर्स मुँह माँगे दामो पर ख़रीद कर वहाँ रिहायशी कॉलोनी बना रहे है जिससे कृषि योग्य भूमि समाप्ति कि कगार पर पहुँच रही है। मेरा सरकार से निवेदन है की काली मिट्टी की भूमि तथा कृषि योग्य उपजाऊ भूमि को कमर्सियल पर्पस अथवा रिहायशी (आबादी) भूमि हेतु बेचने पर रोक लगे ।